

- V. 537. τί δῆτ' ἂν ὡς ἐκ τῶνδ' ἂν a. b.
 546. νεοσφαγῆ τοῦτόν γε a. b.
 554. Versum, quem post hunc omisit Brunckius, habent ambo codd.
 560. ὑβρίση a. b.
 579. δῶμ' ἀπάκτου a. b.
 593. συνέρξεθ' a. b.
 597. ἀλίπλακτος a. b. sed a. addito deinde supra γ a prima manu; b. autem cum glossa, ἀντὶ τοῦ ἀλίκλυστος.
 598. πᾶσι περίφαντος ἀεὶ a. b.
 608. αἶδαν a. b.
 610. ἰώ μοι μοι μοι a. b.
 615. γ' omittunt a. b.
 618. χερσὶν a. b.
 620. ἔπαισ' ἔπαισεν b.
 623. εὐτροφος b.
 626. φρενομώρως a. b.
 632. στέρνοις a. b.
 634. κρέσσων γὰρ αἶδα a. b.
 637. ἄριστος omittunt a. b.
 645. Αἰακιδῶν ἄτερθε τοῦδε a. b.
 649. καὶ περισκελεῖς a. b.
 656. ἐξαλεύσωμαι a. b.
 674. uterque δεινῶν, sed b. ex correctione, quum antea fuisset δεινόν.